Composition of Selection Committee for Kendriya Vidyalayas

*248. SHRI SARADA MOHANTY: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what are the details of composition of Selection Committees at regional level in respect of different categories of teachers of Kendriya Vidyalayas;

(b) whether there is any provision for inclusion of IAS Officers posted at Regional Headquarters in the Selection Committee; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) The Selection Committees at Regional level consist of a University Professor or Educationist of equivalent status as Chairperson, a Member belonging to SC/ST; a Lady Member, a Member of the Minority Community, a Principal of the neighbouring Region, one subject Expert in each concerned subject area and the Assistant Commissioner of the Region as Member Secretary.

(b) The Kendriya Vidyalaya Sangathan has not posted any IAS Officer in its Regional Offices.

(c) Does not arise.

भारतीय भाषाओं के विकास के लिए आवंटित धनराशि

*249. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आठवीं पंचवर्षीय योजना में भारतीय भाषाओं के विकास के लिए क्या कोई लक्ष्य निर्धारित किया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है तथा उसमें इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि रखी गई है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) और (ख) भारतीय भाषाओं का विकास एक सतत प्रक्रिया है, और योजना आयोग द्वारा यथा-अनुमोदित आठवीं पंचवर्षीय योजना दस्तावेज में, भारतीय भाषाओं के विकास के सम्बंध में विशेष रूप से कोई वास्तविक लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए हैं। तथापि, भारतीय भाषाओं के विकास, संवर्धन और प्रचार के लिए अनुमोदित परिव्ययों के आधार पर, यह अनुमान लगाया गया है कि इस क्षेत्र में कतिपय वास्तविक लक्ष्यों, जिनमें से महत्वपूर्ण नीचे दिए गए हैं, को प्राप्त करना विभाग के लिए सम्भव होना चाहिए :—

(i) आधार के रूप में हिन्दी संहित 22 द्विभाषी/त्रिभाषी शब्दकोशों का प्रकाशन।

(ii) अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के 3000 हिन्दी शिक्षकों का प्रशिक्षण।

(iii) 1000 हिन्दी शिक्षकों की नियुक्ति के लिए अहिन्दी भाषी राज्यों को वित्तीय सहायता।

(iv) 250 विदेशी छात्रों को हिंदी का अध्यापन।

(v) 200 उर्दू पुस्तकों का प्रकाशन और 15 नए उर्दू सुलेखन प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना।

(vi) 25 सिन्धी लेखकों को पुरस्कार।

(vii) विभिन्न संवर्द्धक और विकासात्मक कार्यकलापों के लिए 230 स्वैच्छिक हिन्दी संगठनों को वित्तीय सहायता।

(viii) केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान द्वारा आधुनिक भारतीय भाषाओं के 1500 शिक्षकों का प्रशिक्षण।

(ix) कम्प्यूटर डाटा बेस से विभिन्न विषयों के लिए 25 शब्दावली शब्द-संग्रह/फिलीपियों का निर्माण।